卐 ।। श्रीहरिः ।। 卐

# सन्मार्ग ओडिशा

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड व अंडमान निकोबार से प्रकाशित

भुवनेश्वर, वर्ष 14, अंक 48
मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अष्टमी,
वि. सं. 2079

16 नवंबर, 2022

बुधवार

पृष्ठ-12, मूल्य 6.00 रुपये

# प्रफुल्ल मोहंती को मिला साहित्य अकादमी का सर्वोच्च सम्मान

**भुवनेश्वर, (संवाद सूत्र) :** केंद्र साहित्य अकादमी ने मंगलवार को लंदन में रहने वाले प्रख्यात लेखक प्रफुल्ल मोहंती को सम्मानजनक अनचारी (मानद) फेलोशिप प्रदान किया। पुरस्कार स्वीकारते हुए साहित्यकार मोहंती ने कहा कि आज मुझे यह सम्मान मो प्रिय गांव के लिए मिला है। इसलिए मैं इस सम्मान को अपने गांव और भारत के सभी गांव को समर्पित करता हूं। जाजपुर जिल के नानपुर जैसे प्राचीन गांव से दूर जाकर लंदन में खुद को स्थापित करने के पीछे कई संघर्ष की कहानियां है। मेरे जैसे एक गांव के लड़का को विलेज ब्याय को मेरे गांव की मिट्टी, पानी और हवा आज एक लेखक व चित्रशिल्पी के रूप में दुनिया एक बड़ी पहचान दी है। अध्यक्ष चंद्रशेखर कम्बर की अध्यक्षता में आयोजित इस विशेष समारोह के प्रारंभ मेंअकादमी के सचिव डॉ के श्रीनिवास राव ने स्वागत भाषण देते हुए मोहंती को प्रदत सम्मान पत्र पाठ किया। अन्य अतिथियों के बीच उपाध्यक्ष माधव कौशिक व अकादमी के ओडिशा रूढ़िवादी सलाहकार डॉ विजयानन्द सिंह प्रमुख ने अपने संबोधन में लेखक की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। सम्मान स्वरूप उन्हें ताम्रपट्टिका (फलक) और अंगवस्त प्रदान कर सम्मानित किया गया। मोहंती ने सम्मान स्वीकारते हुए

अपने बचपन बिताए गांव की यादे की वर्णन की। उन्होंने बताया कि बड़चना प्रखंड के विरूपा नदी किनारे नानपुर गांव में जन्म लेने पर कई उतार-चढ़ाव के बीच 1970 में लंदन जाने में सफल रहा। गौरतलब है कि जो भारतीय विदेशों में रहते है और भारतीय साहित्य, संस्कृति ओर विरासत के लिए लिखकर साहित्य के माध्यम से अपने कर्तव्य निभाते है उनमें से रेष्ठ व्यक्तियों को अकादमी द्वारा सर्वोच्च सम्मान अनचारी (मानद) फोलोशिप प्रदान करता है। ओडिशा में कई प्रख्यात प्रतिभा को पहले भी फेलोशिप सम्मान प्राप्त किए है लेकिन मोहंती अनचारी फोलोशिप प्राप्त करने में अंग्रेजी लिखने वाले पहले ओडिया साहित्यकार हैं। 11 जुलाई 1930 को जन्मे 88 वर्षीय लेखक 1960 से लंदन में रह रहे हैं और अंग्रेजी में छह किताबें लिखे हैं। 1973 में उनके द्वारा लिखा बहुचर्चित पुस्तक माई विलेज, माई लाइफ ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई और यह पुस्तक अंग्रेजी सहित जापानिज, नॉर्वेजियन और डानिस भाषा में प्रकाशित हुई। इंगलैंड के प्रसिद्ध मीडिया बीबीसी टेलिविजन ने लेखक के जन्म स्थान आकर पुस्तक से संबंधित आधार पर एक चलचित्र निर्माण किया जिसे विश्व स्तर पर प्रसारण किया गया। मोहंती जो लंदन के रॉयल टाउन प्लांनिंग इंस्टीट्यूट के सदस्य बनने की दुलर्भ उपलब्धि हासिल करने वाले पहले ओडिशा है। लेखक को यह सम्मान फेलोशिप ग्रहण के लिए उन्हें प्रसिद्ध साहित्यकार गौरहरि दास, कृषि विभाग के मुख्य प्रशासनिक डॉ अरहवंद्र कुमार पाढ़ी, सीडीए के अध्यक्ष अनिल कुमार सामल, प्रोफेसर वैष्णव चरण मोहंती, आकाशवाणी के पूर्व उपनिदेशक मृत्युंजय सामल, जाजपुर जिला संस्कृति परिषद के सदस्य शुभेंदु कुमार भुईयां ने बधाई दी है।